M.A. (Sociology) (CBCS / New CBCS Pattern) Semester - I

MAS103(B) - Sociology of Religion Paper-IIIB

P. Pages : 3 **GUG/S/23/13501**

Time : Three Hours * 2 2 3 2 * Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain the meaning and nature of religion. **16**

OR

Explain Weber's sociological perspective on religion.

2. Discuss the nature and types of religious organizations in India. **16**

OR

Elaborate Durkheim's sociological perspective on religion.

3. Write a short answer on **any two** of the following. **16**

a) Explain the importance of religion.

b) Functions of religious organization in India.

c) Communalism.

d) Discuss the growing religious conversions in India.

4. Write a short answer on **any two** of the following. **16**

a) Discuss religion and ethics, religion as a belief system.

b) What is Secularism?

c) Explain the concept of sacred.

d) Explain the difference between religion and magic.

5. Write notes. **16**

a) Fundamentalism.

b) Explain the difference between sacred and profane.

c) Explain the concept of magic.

d) What is religious pluralism?

****

M.A. (Sociology) (CBCS / New CBCS Pattern) Semester - I

MAS103(B) - Sociology of Religion Paper-IIIB

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.

1. धर्माचा अर्थ आणि स्वरुप स्पष्ट करा. **16**

किंवा

धर्मावरील वेबरचा समाजशास्त्रीय दृष्टीकोन स्पष्ट करा.

2. भारतातील धार्मिक संघटनांचे स्वरुप आणि प्रकार यावर चर्चा करा. **16**

किंवा

दुर्खिमचा धर्मावरील समाजशास्त्रीय दृष्टीकोन विशद करा.

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** वर थोडक्यात उत्तर लिहा. **16**

अ) धर्माचे महत्व स्पष्ट करा.

ब) भारतातील धार्मिक संघटनांची कार्ये

क) जातीयवाद

ड) भारतात वाढणारे धर्मांतर यावर चर्चा करा.

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** वर थोडक्यात उत्तर लिहा. **16**

अ) धर्म आणि नैतिकता, विश्वास प्रणाली म्हणून धर्म यावर चर्चा करा.

ब) धर्मनिरपेक्षता म्हणजे काय?

क) पवित्र ही संकल्पना स्पष्ट करा.

ड) धर्म आणि जादू यातील भेद स्पष्ट करा.

5. खालील सर्व प्रश्नावर थोडक्यात टिपा लिहा. **16**

अ) मुलतत्त्ववाद

ब) पवित्र आणि अपवित्र यातील अंतर स्पष्ट करा.

क) जादूची संकल्पना स्पष्ट करा.

ड) धार्मिक बहुलवाद म्हणजे काय.

****

M.A. (Sociology) (CBCS / New CBCS Pattern) Semester - I

MAS103(B) - Sociology of Religion Paper-IIIB

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. धर्म का अर्थ एवंम् प्रकृति की व्याख्या करे। **16**

अथवा

वेबर के धर्म पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोन की व्याख्या किजिए।

2. भारत में धार्मिक संगठनों की प्रकृति एवंम् प्रकारों की चर्चा किजिए। **16**

अथवा

धर्म पर दुर्खिम के समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण का विस्तार से विषद किजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **16**

अ) धर्म के महत्व को स्पष्ट किजिए।

ब) भारत में धार्मिक संगठन के कार्य।

क) सांप्रदायीकता

ड) भारत में बढ़ते धर्मांतरण की चर्चा किजिए।

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **16**

अ) धर्म और नैतिकता, धर्म को एक विश्वास प्रणाली के रुप में चर्चा किजिये।

ब) धर्मनिरपेक्षता क्या है?

क) पवित्र की अवधारणा को स्पष्ट किजिए।

ड) धर्म और जादू में अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **16**

अ) मुलतत्त्ववाद

ब) पवित्र और अपवित्र के बीच अंतर स्पष्ट करे।

क) जादू की अवधारणा को स्पष्ट किजिए।

ड) धार्मिक बहुलवाद क्या है?

****